INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल

भाग – 2

भारत का सामान्य ज्ञान (GK) + विविध

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान पुलिस कांस्टेबल**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान में** आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान पुलिस कांस्टेबल"** में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/bdirzx

Online Order करें - https://shorturl.at/xceN2

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

	भारत का इतिहास	
	प्राचीन भारत का इतिहास	
क्रमांक	अध्याय	पेज न.
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	1
2.	वैदिक काल	3
3.	धार्मिक काल	7
4.	महाजनपद काल	11
5.	मौर्य एवं मौर्योत्तर काल	15
6.	गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल	19
7.	प्रमुख राजवंश	22
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिन्ध पर आक्रमण	32
2.	सल्तनत काल	33
3.	विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य	42
4.	मुगल वंश	44
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	51
2.	मराठा साम्राज	56
3.	गवर्नर, गवर्नर जनरल & वायसराय	58
4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन	64
5.	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	67

6.	गाँधी युग एवं स्वतंत्रता आन्दोलन	70
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	76
	<u>भारतीय कला संस्कृति</u>	
1.	भारतीय चित्रकला	79
2.	भारतीय नृत्य कलाएँ	80
	<u>भारत का भूगोल</u>	
1.	सामान्य परिचय	82
2.	भौतिक विभाजन	83
3.	भारत की नदियाँ एवं झीलें	88
4.	भारत की जलवायु	93
5.	कृषि	94
6.	मृदा	98
7.	भारत की वनस्पतियाँ	100
8.	भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य	102
9.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	104
10.	उद्योग	106
11.	परिवहन तंत्र	110
12.	जनसंख्या	114

	भारत का संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	117
2.	संविधान सभा	119
3.	संविधान की विशेषताएं	121
4.	भारतीय संविधान के स्त्रोत	124
5.	भारतीय संविधान के भाग	125
6.	संघ एवं राज्य क्षेत्र	126
7.	भारतीय नागरिकता	127
8.	मौलिक अधिकार	128
9.	नीति निदेशक तत्व	130
10.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	132
11.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	136
12.	भारतीय संसद (विधायिका)	142
13.	सर्वोच्च न्यायालय	148
14.	पंचायती राज व्यवस्था	149
15.	निर्वाचन आयोग	153
16.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	154
17.	नीति आयोग	155

	अर्थशास्त्र	
1.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	156
2.	मुद्रा एवं बैंकिंग	158
3.	वस्तु एवं सेवा कर	160
	• विविध ज्ञान • महत्वपूर्ण दिवस • पुस्तक • लेखक • खेल • अविष्कार • संगठन • भारत में रामसर आद्रभुमियां	163

अध्याय – 3
धार्मिक काल

बौद्ध धर्म

- छठी शताब्दी ई.पू. में वैदिक संस्कृति कर्मकाण्डों व आडम्बरों से ग्रसित हो गई।
- मध्य गंगा घाटी में इसी समय 62 सम्प्रदायों का उदय हुआ। उनमें जैन और बौद्ध सम्प्रदाय प्रमुख थे।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे।
  सिद्धार्थ – बुद्ध का बचपन का नाम
  सिद्धि प्राप्त करने के लिए जन्म लेने वाला।
- जन्म 563 ई.पू. – कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। (नेपाल)
- कुल - शाक्य (क्षत्रिय कुल)
- बुद्ध की माता – महामाया थी। उनकी माँ की मृत्यु के बाद पालन पोषण महाप्रजापति गौतमी ने किया था।
- पिता – शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे।
- बौद्धों की रामायण के नाम से प्रसिद्ध बुद्धचरित के रचनाकार अश्वघोष हैं।
- 16 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध का विवाह-
  यशोधरा से हुआ इनके पुत्र का नाम राहुल था।
- असित ब्राह्मण ने सिद्धार्थ क नामकरण किया था।
- कालदेव तथा ब्राह्मण कौंडिन्य ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक चक्रवर्ती राजा अथवा सन्यासी होगा।
- बुद्ध के सारथी का नाम चाण तथा घोड़े का नाम कन्थक था , जो महात्मा बुद्ध को रथ द्वारा महल से कुछ दूर ले जाकर छोड़ आया।
- बुद्ध के सबसे अधिक शिष्य कोसल राज्य में ही हुए तथा यहीं पर उन्होंने अपने धर्म का सबसे अधिक प्रचार किया।
- संघ में प्रविष्ट होने को उपसंपदा कहा जाता है।

महाभिनिष्क्रमण

- 29 वर्ष की आयु में सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिया था।
- अनोमा नदी के तट पर सिर मुण्डन
- काषाय वस्त्र धारण किये।
- प्रथम गुरु आलार कलाम थे।
- सांख्य दर्शन के आचार्य
- बाद में उरुवेला (बोधगया) प्रस्थान
- उरुवेला में सिद्धार्थ को कौण्डिन्य, वप्पा, भादिया, महानामा, एवं अस्सामी नामक पांच साधक मिले, इनमें कौण्डिन्य प्रमुख थे ।

ज्ञान प्राप्ति –

- 35 वर्ष की आयु में – बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई। वैशाख पूर्णिमा को पीपल के वृक्ष के नीचे निरंजना नदी (पुनपुन) के तट पर ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- इसी दिन से गौतम बुद्ध तथागत कहलाये तथा गौतम बुद्ध नाम भी यहीं से हुआ। वह स्थान बोधगया कहलाया। जिसने सत्य को प्राप्त कर लिया।

धर्मचक्र प्रवर्तन-

- बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम) में दिया जिसे बौद्ध ग्रन्थों में धर्मचक्र प्रवर्तन कहलाया।
- बोधगया से सारनाथ आये
- प्रथम उपदेश दिया-5 ब्राह्मण सन्यासियों को मागधी भाषा में।
- गौतम बुद्ध का बौद्ध संघ में प्रवेश हुआ।
- सर्वप्रथम अनुयायी – तपस्स जाट शुद्र कालिक
- प्रिय शिष्य - आनन्द
  बौद्ध धर्म की प्रथम महिला भिक्षुणी - गौतमी (बुद्ध की मौसी

अन्तिम उपदेश

- कुशीनारा में सुभच्छ को दिया
- हिरण्यवती नदी तट पर

महापरिनिर्वाण (मृत्यु)

- कुशीनारा में 483 ई.पू.
- 80 वर्ष की आयु में
- बुद्ध के अवशेष 8 भागों में डाले गये जहाँ स्तूप बनाये गये।
- मल्लों ने अत्यन्त सम्मानपूर्वक बुद्ध का अंत्येष्टि संस्कार किया।
- बुद्ध के जन्म एवं मृत्यु की तिथि को चीनी परम्परा के कैंटोन अभिलेख के आधार पर निश्चित किया गया है

वैशाख पूर्णिमा का महत्व

- वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं।
- गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति
- महापरिनिर्वाण - वैशाख पूर्णिमा को
  अपवाद - महाभिनिष्क्रमण
- गौतम बुद्ध में 32 महापुरुषों के लक्षण बताये गये हैं।

बुद्ध के प्रमुख वचन

- जीवन कष्टों से भरा है।
- लिप्सा तृष्णा का ही दूसरा रूप है।

बौद्ध धर्म के त्रिरत्न

- बुद्ध , धम्म , संघ

बुद्ध के चार आर्य सत्य

1. दुःख
2. दुःख समुदाय
3. दुःख निरोध (निवारण)
4. प्रतिपदा

- इन्ही का कालान्तर में विस्तार होकर ये अष्टांगिक मार्ग कहलाये।

अष्टांगिक मार्ग

1. सम्यक दृष्टि
2. सम्यक संकल्प

3. सम्यक वाणी
4. सम्यक कर्मान्त
5. सम्यक आजीव
6. सम्यक व्यायाम
7. सम्यक स्मृति
8. सम्यक समाधि

- समाधि मनुष्य के जीवन का परम लक्ष्य निर्वाण प्राप्ति ।
- जीवन-मरण चक्र से मुक्ति

बुद्ध धर्म

- अनीश्वरवादी
- पुनर्वन्म में विश्वास
- अनात्मवादी धर्म

बौद्ध धर्म के प्रतीक

जन्म - कमल व बैल
गृहत्याग - घोड़ा
ज्ञान - पीपल (बोधि वृक्ष)
निर्वाण - पद-चिह्न
मृत्यु - स्तूप

- बौद्ध धर्म का सर्वाधिक विस्तार कोशल राज्य में हुआ था ।
- बौद्ध धर्म के सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिये गये।
- बौद्ध धर्म के प्रचार केन्द्र – मगध

बौद्ध संगीतियां

1. 483 ई.पू. संरक्षक - शासनकाल में अजातशत्रु के राजगृह में रचना रची गयी ।
सुत्तपिटक विनयपिटक
(बुद्ध के उपदेश) (संघ के नियम)
अध्यक्ष – महाकस्सप
2. 383 ई.पू. संरक्षक - कालाशोक
वैशाली में - भिक्षुओं में मतभेद
अध्यक्ष – सर्वकामिनी
3. 250 / 251 ई.पू. संरक्षक शासनकाल में
अशोक पाटलिपुत्र में रचना रची गयी
अभिधम्मपिटक
(बुद्ध के दार्शनिक विचार)
अध्यक्ष – मोग्गलिपुत्त तिस्स
4. प्रथम शताब्दी संरक्षक - कनिष्क
कुण्डलवन में हीनयान व महायान
(कश्मीर) (सम्प्रदाय में बंटा)
अध्यक्ष वसुमित्र /अश्वघोष था। चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म दो भागों में बंट गया था हीनयान व महायान ।
(कश्मीर) (सम्प्रदाय में बंटा)

- विहार - बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान
- चैत्य - पूजास्थल

बौद्ध धर्म को अपनाने वाले प्रमुख शासक

- बिम्बिसार - बुद्ध का मित्र
- प्रसेनजीत
- उदयिन
- अशोक – महेन्द्र (पुत्र), संघमित्रा (पुत्री)
- बौद्ध धर्म का प्रचार करने श्रीलंका गये।

नालन्दा विश्वविद्यालय

- गुप्त शासक कुमारगुप्त ने बौद्ध धर्म की शिक्षा के लिए स्थापित किया।
- बौद्ध धर्म का अध्ययन करने हेतु आये ।
- फाह्यान, ह्वेनसांग (चीनी यात्री) ।
- अजातशत्रु प्रारम्भ में जैनधर्म का अनुयायी था बाद में बौद्ध धर्म का अनुयायी बना ।

बौद्ध धर्म की प्रमुख महिला अनुयायी

- गौतमी
- नंदा
- मल्लिका
- खेमा
- विशाखा
- यशोधरा
- आम्रपाली
- सुप्रवासा

बौद्ध धर्म के प्रतीक महात्मा बुद्ध के प्रमुख आठ स्थान

- लुम्बिनी
- बोधगया
- सारनाथ
- कुशीनगर
- वैशाली
- राजगृह
- श्रावस्ती
- संकाश्य
- बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का आदर्श बोधिसत्व है । बोधिसत्व दूसरे के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अपने निर्वाण में विलंभ करते हैं ।
- हीनयान का आदर्श अर्हत पद को प्राप्त करना है। जो व्यक्ति अपनी साधना से निर्वाण की प्राप्ति करतें हैं उन्हें ही अर्हत कहा जाता है ।
- बौद्ध धर्म के बारे में हमें विशद ज्ञान त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्रपिटक, अभिधम्भपिटक से प्राप्त होता है । इन तीनों पिटकों की भाषा पाली है ।
- पालि पिटक सबसे पुराना है ।
- बुद्ध के जन्म एवं मृत्यु की तिथि को चीनी परम्परा के कैंटोन अभिलेख के आधार पर निश्चित किया गया है ।
- पालि त्रिपिटकों को पहली शताब्दी ईसा पूर्व में श्रीलंका के शासक वत्तगामिनी की देख-रेख में पहलीबार लिपिबद्ध किया गया ।
- सूत्रपिटक के पांच निकाय हैं -दीर्घ, मज्झिम, संयुक्त, अगुंत्तर, खुद्दक,।

मध्यकालीन भारत

अध्याय – I

अरबों का सिन्ध पर आक्रमण

- अरबों का भारत पर पहला आक्रमण खलीफा उमर के काल में 636 ई .में बम्बई के थाना पर हुआ जो कि असफल रहा।
- अरबों का भारत का प्रथम सफल अभियान 712 ई. में मुहम्मद-बिन-कासिम के नेतृत्व में हुआ।
- मुहम्मद-बिन-कासिम ने दाहिर को हराकर 'सिन्ध पर कब्जा कर लिया।
- कासिम ने 'मुल्तान' पर भी कब्जा कर लिया तथा इसका नाम सोने का शहर रखा।
- मुहम्मद बिन कासिम ने भारत में सर्वप्रथम जजिया कर लागू किया।
- जजिया कर इस्लाम को न स्वीकार करने वाले यानि गैर-मुस्लिमों से वसूला जाता था।
- मुहम्मद - बिन -कासिम ने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण कराया ।
- अब्बासी खलीफाओं ने बगदाद (इराक) को अरब जगत की राजधानी घोषित किया।
- खलीफा हारून रशीद ने चरक संहिता का अरबी अनुवाद कराया।
- अरबों ने अंक, दशमलव तथा गणित के सिद्धांतों को सीखा।

मुहम्मद बिन कासिम के प्रमुख अभियान

- देबल या दाभोल यहीं पर सर्वप्रथम कासिम ने जजिया लगाया।
- देबल के बाद कासिम ने नीरून, सेहवान एवं सिसम पर सफल आक्रमण किया।
- सिसम जीतने के बाद कासिम ने राबर जीता। राबर में दाहिर लड़ता हुआ मारा गया।
- उसकी मृत्यु के बाद उसकी पत्नी रानीबाई ने अरबों के खिलाफ मोर्चा संभाला। परन्तु, स्वयं को हारते देखकर उसने जौहर कर लिया।
- अलोर या अरोर ब्राह्मणवाद के बाद दाहिर की राजधानी अलोर को जीता गया। अरोर विजय ही सिन्ध विजय को पूर्णता प्रदान करता है ।
- मुल्तान- अलोर विजय के बाद कासिम ने सिक्का एवं मुल्तान जीता।
- मुल्तान कासिम की अंतिम विजय थी। यहाँ से उसे इतना सारा सोना मिला की मुल्तान का नाम सोन का नगर (स्वर्ण नगर) रखा गया।
- मोहम्मद बिन कासिम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला अरब मुस्लिम था ।

महमूद गजनवी -

- भारत में तुर्कों का आक्रमण दो चरणों में सम्पन्न हुआ।
- प्रथम चरण का महमूद गजनवी तो दूसरे का मोहम्मद गौरी था।
- अलप्तगीन नामक एक तुर्क सरदार ने गजनी में स्वतन्त्र तुर्क राज्य की स्थापना की।
- अलप्तगीन के गुलाम तथा दामाद सुबुक्तगीन ने 977 ई. में गजनी पर अपना अधिकार कर लिया।
- महमूद गजनी सुबुक्तगीन का पुत्र था।
- अपने पिता के काल में महमूद गजनी खुरासान का शासक था।
- सुबुक्तगीन की मृत्यु के बाद उसका पुत्र एवं उत्तराधिकारी महमूद गजनवी गजनी की गद्दी पर 998 ई. में बैठा।
- 1010 ई. में महमूद ने नगरकोट को लूटा तथा 1010 ई .में तलवाड़ी युद्ध में हिन्दुओं के संघ को परास्त किया।
- 1014 ई. में थानेश्वर के चक्रस्वामी मंदिर को लूटा।
- विद्याधर ही वह चन्देल शासक था जो महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ और दोनों के बीच संधि हो गयी।
- 1025 ई. में गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी ने आक्रमण किया था ।
- चालुक्य शासक भीम प्रथम था गजनवी के चले जाने के बाद इस मंदिर का पुनर्निमाण करवाया।
- 1030 ई .में महमूद गजनवी की मृत्यु हो गयी।
- अलबरूनी तथा फिरदौसी (शाहनामा के लेखक) महमूद गजनवी के दरबारी कवि थे ।
- 'तारीख-ए-यामिनी' नामक पुस्तक का लेखक उतबी था ।
- महमूद गजनी ने भारत पर कुल 17 बार आक्रमण किया।
- सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक महमूद गजनी था । महमूद गजनी ने भारत पर आक्रमण करते समय जेहाद का नारा दिया और और अपना नाम बुतकिशन रखा ।

मुहम्मद गौरी

- मुहम्मद गौरी शंसबनी वंश का था।
- मुहम्मद गौरी का पूरा नाम शाहबुद्दीन मुहम्मद गौरी था।
- ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी इसका बड़ा भाई था। ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी ने 1163 ई. गोर को राजधानी बनाकर स्वतंत्र राज्य स्थापित कराया ।
- 1203 ई. में ग्यासुद्दीन की मृत्यु के पश्चात् मोहम्मद गौरी ने एक स्वतंत्र शासक के रूप में मुइजुद्दीन की उपाधि धारण की तथा गोर को राजधानी बनाया।
- भारत में तुर्क साम्राज्य का श्रेय मुहम्मद गौरी को दिया जाता है ।
- 12 वीं शताब्दी के मध्य में गौरी वंश का उदय हुआ।
- गौरी वंश की नींव अलाउद्दीन जहांसोज ने रखी थी।
- जहाँ सोज की मृत्यु के बाद उसके पुत्र सैफ-उद-दीन गौरी के सिंहासन पर बैठा।

मुहम्मद गौरी के आक्रमण

- गौरी ने प्रथम आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर किया।

- गौरी ने 1178 ई. द्वितीय आक्रमण गुजरात पर किया लेकिन मूलराज द्वितीय ने उसे आबू पर्वत की तलहटी में पराजित किया। भारत में मुहम्मद गौरी की यह पहली पराजय थी।
- इस युद्ध का संचालन नायिका देवी ने किया था जो मूलराज की पत्नी थी।
- 1186 ई. तक गौरी ने लाहौर, स्यालकोट तथा भटिण्डा तबरहिंद को जीत लिया था। तब हिंद पर पृथ्वीराज चौहान तृतीय का अधिकार था।

तराईन का प्रथम युद्ध – 1191 ई.
तराईन का द्वितीय युद्ध – 1192 ई.

- तराईन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान तृतीय के बीच हुआ था इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की जीत हुई थी।
- तराईन का दूसरा युद्ध 1192 ई. में मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच हुआ था। इस युद्ध में गौरी की जीत हुई थी।
- चन्द्रबरदाई के अनुसार युद्ध में पराजय के बाद पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाकर गजनी ले जाया गया। पृथ्वीराज चौहान ने शब्दभेदी बाण छोड़ कर मुहम्मद गौरी को मार दिया था।
- 1192 ई. के बाद गौरी ने अपने दास ऐबक को भारतीय क्षेत्रों का प्रशासक घोषित कर दिया।
- 1194 ई. के बाद गौरी के दो सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक तथा बख्तियार खिलजी ने भारतीय क्षेत्रों को जीतना प्रारंभ किया।
- बख्तियार खिलजी को असम के माघ शासक ने पराजित किया तथा 15 मार्च 1206 ई .में बख्तियार खिलजी के ही सैन्य अधिकारी अलिमर्दान ने मुहम्मद गौरी की हत्या कर दी।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1195 ई. में अन्हिलवाड़ा के शासक भीम द्वितीय पर आक्रमण किया लेकिन ऐबक पराजित हुआ।
- 1203 ई. में ऐबक ने चंदेल शासक परमर्दिदेव से कालिंजर को जीत लिया था।
- 1206 ई. में मुहम्मद गौरी ने पंजाब के खोखर जनजाति के विद्रोह को दबाने के लिए भारत पर अंतिम आक्रमण किया।
- गौरी ने लक्ष्मी की आकृति वाले कुछ सिक्के चलाये।

अध्याय – 2
सल्तनत काल

गुलाम वंश के शासक –

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 ई. तक)

- भारत में तुर्की राज्य /दिल्ली सल्तनत /मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी। इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है।
- मुहम्मद गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई. के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।
- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक/सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया (खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे।)खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ में दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाजा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया।

ऐबक की मृत्यु –

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है। स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -"अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया। तथा 'कुतुबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार शेख

सैयद वंश (1414 - 1451 ई.)

सैयद वंश के शासक :

सैयद वंश के शासक-

सैयद खिज्र खाँ (1414-1421 ई.)

- खिज्र खाँ ने सैयद वंश की स्थापना की । यह सैयद वंश का प्रथम शासक था ।
- खिज्र खाँ ने 1414 ई. में दिल्ली की राज गद्दी पर अधिकार कर लिया । खिज्र खाँ ने सुल्तान की उपाधि न धारण कर अपने को रैयत-ए-आला' की उपाधि से ही खुश रखा।
- सुल्तान को राजस्व वसूलने के लिए भी प्रतिवर्ष सैनिक अभियान का सहारा लेना पड़ता था।
- खिज्र खाँ ने अपने सिक्कों पर तुगलक सुल्तानों का नाम खुदवाया। फ़रिश्ता ने खिज्र खाँ को एक न्यायप्रिय एवं उदार शासक बताया है।
- सल्तनत काल में शासन करने वाला एकमात्र शिया सैयद वंश था ।
- सैयद वंश का सबसे योग्य शासक मुबारक शाह था । इसने तारीख-ए-मुबारकशाही के लेखक यहिया बिन अहमद सरहिन्दी को संरक्षण प्रदान किया था ।

मृत्यु

20 मई, 1421 को खिज्र खाँ की मृत्यु हो गई।

मुबारक शाह (1421 - 1434 ई.)

- खिज्र खाँ की मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी के रूप में उनके पुत्र मुबारक शाह ने दिल्ली की सत्ता अपने हाथ में ली ।

मुबारक शाह के कार्य

- मुबारक शाह ने यमुना नदी के किनारे 1434 ई. में मुबारकबाद नामक नगर की स्थापना की।
- मुबारक शाह ने 'शाह' की उपाधि ग्रहण कर अपने नाम के सिक्के जारी किये।
- उसने अपने नाम से 'खुतबा (प्रशंसात्मक रचना)' पढ़वाया और इस प्रकार विदेशी स्वामित्व का अन्त किया।
- मुबारक शाह के समय में पहली बार दिल्ली सल्तनत में दो महत्त्वपूर्ण हिन्दू अमीरों का उल्लेख मिलता है।
- उसने विद्वान 'याहिया बिन अहमद सरहिन्दी' को अपना राज्याश्रय प्रदान किया था। उसके ग्रन्थ 'तारीख़-ए मुबारक शाही' से मुबारक शाह के शासन काल के विषय में जानकारी मिलती है।

मृत्यु- मुबारक शाह के वज़ीर सरवर-उल-मुल्क ने षडयंत्र द्वारा 19 फ़रवरी, 1434 ई. को मुबारक शाह की हत्या कर दी।

मुहम्मद शाह (1434 - 1443 ई.)

- मुबारक शाह ने दत्तक पुत्र मुहम्मद शाह (मुहम्मद बिन खरीद खाँ) को वज़ीर सरवर-उल-मुल्क एवं अन्य अमीरों ने मिलकर 19 फरवरी 1434 को दिल्ली का सुल्तान बना दिया।
- इसने मुल्तान के सुबेदार बहलोल को खान-ए-खाना' की उपाधि दी।
- शासन पर पूर्ण नियंत्रण वज़ीर सरवर-उल-मुल्क का था । मुहम्मद शाह के शासक बनते ही वजीर ने शस्त्रागार, राजकोष एवं हाथियों पर आधिपत्य कर लिया।
- 1440 ई. में महमूद खिलजी ने मुहम्मद शाह पर आक्रमण किया, लेकिन युद्ध के बाद दोनों में संधि हो गई ।

मृत्य

- बहलोल लोदी ने 1443 ई. में दिल्ली पर आक्रमण कर लिया। उसी दौरान उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन कुछ विद्वान उसकी मृत्यु 1445 ई. में मानते हैं।

आलमशाह शाह (1445 - 1451 ई.)

- आलमशाह (अलाउद्दीन शाह), मुहम्मद शाह का पुत्र था। 1445 ई. में मुहम्मद शाह की मृत्यु के बाद सरदारों ने उसके पुत्र को अलाउद्दीन आलमशाह की उपाधि से इस विनिष्ट राज्य का शासक घोषित किया।
- उसने 1451 ई. में दिल्ली का राजसिंहासन बहलोल लोदी को दे दिया ।

मृत्यु

- 1476 ई में अलाउद्दीन शाह (आलमशाह) की मृत्यु हो गई। यह सैयद वंश का अंतिम सुल्तान था ।

लोदी वंश के शासक:

बहलोल लोदी (1451 - 1489 ई.)

- बहलोल लोदी ने 1451 ई. में लोदी राजवंश की स्थापना की और 1489 ई. तक दिल्ली सल्तनत पर शासन किया ।
- सैयद वंश के अंतिम शासक आलमशाह ने बहलोल लोदी के पक्ष में दिल्ली सल्तनत के सिंहासन पर स्वेच्छा से त्याग दिया था।
- बहलोल लोदी अफगान मूल का था।
- बहलोल लोदी ने दिल्ली सल्तनत में बैठने के बाद "बहलोल शाह गाजी" की उपाधि ली। उसने सरहिन्द के एक हिन्दू सुनार की बेटी से शादी की।
- दिल्ली पर प्रथम अफगान राज्य की स्थापना का श्रेय बहलोल लोदी को दिया जाता है ।
- बहलोल लोदी ने बहलोल सिक्के का प्रचलन करवाया था ।
- सुल्तान बहलोल लोदी के बारे में अब्दुल्लाह ने अपनी पुस्तक तारीख-ए-दाउदी में लिखा कि जब वह अपने सरदारों के साथ मिलता था तो वह कभी सिंहासन पर नहीं बैठता था ।
- बहलोल लोदी अपने सरदारों को मकसद-ए-अली कहकर पुकारता था ।
- बहलोल लोदी की 1489 ई में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद, उसका पुत्र सिकन्दर लोदी दिल्ली सल्तनत के सिंहासन पर बैठा।
- बहलोल लोदी राजदरबार में सिंहासन पर न बैठकर दरबारियों के बीच बैठता था ।

जनता द्वारा अखिल भारतीय रियासती जनता सम्मेलन) All India States Peoples Conference) का दिसंबर 1927 ई. में आयोजन ।

- प्रथम भारतीय युवा कांग्रेस का दिसंबर 1928 ई. में सम्मेलन ।
- कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (दिसंबर 1929) और संपूर्ण स्वराज का संकल्प, 20 जनवरी, 1930 ई. में पहला स्वतंत्रता दिवस निश्चित किया जाना।
- 12 मार्च 1930 ई. को गाँधी द्वारा दांडी मार्च के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू ।
- 1930 ई. में काँग्रेस द्वारा प्रथम गोलमेज सम्मेलन का वहिष्कार गाँधी इरविन-समझौता और मार्च 1931 ई. में आंदोलन की समाप्ति ।

लॉर्ड वेलिंगटन (1931-1936):-

- इसके समय में सितंबर 1931 ई. में गाँधी जी द्वारा दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया गया और सम्मेलन असफल रहा ।
- काँग्रेस बिना प्रतिनिधित्व तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932 में हुआ ।
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनाल्ड द्वारा कम्यूनल एवार्ड की घोषणा
- यरवदा जेल में गाँधीजी का आमरण अनसन्
- गाँधी जी और अम्बेडकर के बीच पूना पैक्ट (सितंबर 1932)।
- 1935 ई. का गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट भारत शासन अधिनियम पास किया गया । 1935 ई. में बर्मा का भारत से अलग होना।
- 1934 ई. में आचार्य नरेंद्र देव और जयप्रकाश नारायण द्वारा सोशलिस्ट काँग्रेस पार्टी की स्थापना।
- 1936 ई. में संपूर्ण भारत किसान सभा की स्थापना।
- 16 अगस्त 1932 को रैम्जे मैकडोनाल्ड ने विवादास्पद साम्प्रदायिक पंचाट की घोषणा की । इसके समय में 1934 में बिहार में भयंकर भूकम्प आया ।

लॉर्ड लिनलिथगो (1936-1944)

- 1937 ई. में अनेक प्रांतों में काँग्रेस मंत्रिमंडल बना।
- सुभाष चंद्र बोस एवं उनके समर्थकों द्वारा 'फॉरवर्ड ब्लॉक ' की 1939 ई. में स्थापना ।
- द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत (1939)।
- काँग्रेस मंत्रिमंडल के त्यागपत्र को मुस्लिम लीग द्वारा 1939 ई. में मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाना।
- 23 मार्च 1940 ई. को मुस्लिम लीग द्वारा लाहौर प्रस्ताव में मुस्लिमों के लिए अलग राज्य की मांग।
- 1940 ई. में लिनलिथगो द्वारा अगस्त प्रस्ताव ,काँग्रेस द्वारा इसकी अस्वीकृति और गांधी द्वारा सत्याग्रह की शुरुआत।
- 1941 ई. में सुभाषचंद्र बोस द्वारा भारत से भाग निकलना ।
- मार्च 1942 ई. में क्रिप्स मिशन द्वारा भारत को'स्वशासन 'का प्रस्ताव और काँग्रेस द्वारा इसका बहिष्कार ।
- 8 अगस्त 1942 ई. काँग्रेस द्वारा 'भारत छोड़ो आंदोलन ' की शुरुआत हुई सभी काँग्रेस नेताओं को बंदी बनाया गया। भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से जाना जाता है ।
- इसके समय में भारत में पहली बार आम चुनाव कराए गए। काँग्रेस ने 11 में से 8 प्रान्तों में अपनी सरकारे बनाई । प्रथम 6 प्रान्तों में काँग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला ।
- 1 मई 1939 ई. में सुभाष चन्द्र बोस ने फोरवर्ड ब्लॉक नाम की एक नई पार्टी बनायी थी ।
- लॉर्ड लिनलिथगो के काल में बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था ।

लॉर्ड वेवेल (1944 - 1947):-

- सी-राजगोपालाचारी द्वारा C.R.फार्मूला प्रस्तुत करना और इस पर 1944 ई. में गांधी-जिन्ना वार्ता की असफलता।
- 1945 ई. में वेवेल योजना और इस पर विचार करने के लिए शिमला सम्मेलन और इसकी असफलता।
- I.N.A. पर मुकदमा और 1946 में नौ सनिक विद्रोह।
  - 1946 ई. में पैथिक लॉरेंस, सर स्टेफोर्ड क्रिप्स और एलेक्जेंडर तीन सदस्यों कैबिनेट मिशन तथा काँग्रेस और लीग दोनों द्वारा इसकी स्वीकृति।
- 17 अगस्त 1946 ई. को लीग द्वारा 'डायरैक्ट एक्शन डे 'की शुरुआत, लेकिन अक्टूबर 1946 ई. में इसका अंतरिम सरकार में शामिल हो जाना। यह संवेधानिक सभा से अलग था।
- सितंबर 1946 ई. को काँग्रेस द्वारा अंतरिम सरकार का गठन।
- 1946 ई. में कैबिनेट मिशन भारत आया ।
- ब्रिटेन के लेबर पार्टी के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने भारत को जून 1948 ई. के पहले स्वतंत्र करने की घोषणा की ।

लॉर्ड माउंटबेटन मार्च -अगस्त 1947-1948):-

- माउंटबेटन योजना।
- भारत का विभाजन।
- स्वतंत्रता की प्राप्ति।

Note:-

- बंगाल का प्रथम गवर्नर-रॉबर्ट क्लाइव
- बंगाल का अतिम गवर्नर-वारेन हेस्टिंग्स
- बंगाल का प्रथम गवर्नर-जनरल -वारेन हेस्टिंग्स
- बंगाल का अंतिम गवर्नर-जनरल -विलियम बैंटिक
- भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल -विलियम बैंटिक
- भारत का अंतिम गवर्नर-जनरल -लॉर्ड कैनिंग
- भारत के प्रथम वायसराय -लॉर्ड कैनिंग
- भारत के अंतिम वायसराय -लॉर्ड माउंटबेटन
- स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर-जनरल -लॉर्ड मउंटबेटन
- भारत का प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल-सी . राजगोपालाचारी
- 1858 से भारत के गवर्नर-जनरल को गवर्नर-जनरल तथा वयसराय दोनों नामों से जाना जाने लगा।

अध्याय – 7

क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक

- सावरकर बंधुओं ने 1904 में मित्र मेला एवं 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
- महाराष्ट्र में पहली क्रांतिकारी घटना 1897 में प्लेग कमिश्नर रैण्ड की गोली मारकर की गयी हत्या थी।
- वस्तुतः चापेकर बंधुओं ने बालकृष्ण एवं दामोदर चापेकर तिलक के पत्र'केसरी' में छपे लेख से प्रेरित होकर यह कार्य किया था।
- बंगाल में 1902 में अनुशीलन समिति की स्थापना हुई जिसमें 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'जतिन नॉथ' की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- बंगाल में 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'उपेन्द्रनाथ दत्त' ने 'युगांतर' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया।
- 1930 में बंगाल में विनय, बादल एवं दिनेश नामक क्रांतिकारियों ने अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। इसी तरह सूर्यसेन)मास्टर दा (ने चटगांव शस्त्रागार पर नियंत्रण स्थापित किया।
- भगत सिंह ने 1925 में 'भारत नौजवान सभा' की स्थापना की जिसने भारतीयों को समाजवादी विचारधारा के माध्यम से क्रान्ति की ओर प्रेरित किया।
- पंजाब में क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अजीत सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जब अजीत सिंह को पंजाब से निर्वासित किया गया तो वह फ्रांस पहुंचकर क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने लगे।
- दिल्ली में 1912 में वायसराय लॉर्ड हार्डिंग के काफिले पर बम फेंका गया। इस घटना में रास बिहारी बोस की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- संयुक्त प्रांत में 9 अगस्त 1925 में लखनऊ के पास काकोरी ट्रेन डकैती की गयी और सरकारी खजाने को लूटा गया। इस काकोरी षड्यंत्र मुकदमें के तहत राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिडी एवं अशफाक उल्ला खां को फांसी दे दी गयी। चन्द्रशेखर आजाद भी इस घटना में, शामिल थे किन्तु वे फरार होने में सफल रहे ।
- 1928 में दिल्ली में फिरोजशाह कोटला मैदान में क्रांतिकारियों की बैठक हुई जिसमें भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी शामिल थे। इस बैठक में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन)HRA) का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन CHSRAJ कर दिया गया।
- रास बिहारी घोष –उदारवादी
- रास बिहारी बोस- क्रांतिकारी
- स्वदेशी आंदोलन में किसानों की भागीदारी नहीं थी।
- ब्रह्म समाज -1828
- आर्य समाज 1875
- रामकृष्ण मिशन -1897
- **विदेश में प्रसार**
- **लंदन** में 1905 में श्याम जी कृष्ण वर्मा ने 'इंडिया होमरुल सोसाइटी'की स्थापना की जिसका लक्ष्य भारत के लिए स्वराज की प्राप्ति करना था। इसकी स्थापना ब्रिटिश समाजवादी नेता 'हीडमैन' के सुझाव पर की गई। है। इसके उपाध्यक्ष अब्दुल्ला सुहरावर्दी थे।
- श्याम जी कृष्ण वर्मा ने लंदन में 'इंडिया हाउस' की स्थापना की जो क्रांतिकारियों का प्रमुख केन्द्र बना। यह विदेशों में रह रहे भारतीयों को एकजुट कर क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अपनी भूमिका निभाता था। सरकारी दमन के कारण श्याम जी कृष्ण वर्मा को लंदन छोड़ना पड़ा और वे पेरिस चले गए। तत्पश्चात् इंडिया हाउस का कार्यभार वी.डी . सावरकर ने संभाला।
- वी.डी .सावरकर ने 1857 का 'स्वतंत्रता संग्राम' नामक पुस्तक की रचना की और मेजिनी की आत्मकथा का मराठी में अनुवाद किया।
- इसी इंडिया हाउस से जुड़े हुए मदन लाल ढींगरा भारत सचिव के राजनीतिक सलाहकार 'वाइली' की 1909 में गोली मारकर हत्या कर दी।
- **फ्रांस** में श्रीमती भीखा जी कामा ने पेरिस में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार किया। इन्होंनें वंदे मातरम नामक पत्र का संपादन किया। इन्हें क्रांतिकारियों की माता कहा जाता है।
- **अमेरिका**-:1913 अमेरिका के पोर्ट लैंड में 'हिंद एसोशिएन' की स्थापना नामक पत्रिका का प्रकाशन गुजराती और उर्दू में किया थी।
- गदर पार्टी की स्थापना अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में हुई। जिसमें सोहन सिंह भावना, लाला हरदयाल भाई परमानंद की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- गदर पार्टी के अध्यक्ष भावना एवं महासचिव लाला हरदयाल थे तथा कोषाध्यक्ष काशीराम थे।
- गदर पार्टी धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से युक्त थी।
- गदर पार्टी के सदस्य करतार सिंह सराभा के वीरता एवं बलिदान से भगत सिंह अत्यधिक प्रभावित थे।
- गदर आंदोलन ने कामागाटामारू जहाज विवाद में भारतीयों का समर्थन किया।
- कामागा टामारु जहाज विवाद 1914 में हुआ था ।
- **अफगानिस्तान**-:1915 में राजा महेन्द्र प्रताप एवं बरकतुल्ला तथाओबैदुल्ला सिंधी के प्रयासों से काबुल में भारत की पहली स्वतंत्र एवं अस्थायी सरकार की स्थापना की गयी जिसमें महेन्द्र प्रताप राष्ट्रपति और बरकतुल्ला प्रधानमंत्री बने ।

होमरूल लीग आंदोलन)1916)

- एनी बेसेन्ट और तिलक ने 1916 में होमरुल लीग की स्थापना की। इसका गठन आयरलैंड के होमरूल लीग के आधार पर किया गया ।
- जून-1914 में तिलक जेल से रिहा हुए।

- तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाँव में होमरूल लीग की स्थापना की जिसकी शाखाएँ महाराष्ट्र)बॉम्बे को छोड़कर(, कर्नाटक, मध्यप्रांत एवं बरार में स्थापित थी।
- ऐनी बेसेंट ने सितम्बर -1916 में मद्रास में होमरूल लीग की स्थापना की जिसकी शाखाएँ तिलक द्वारा स्थापित किए गए क्षेत्रों को छोड़कर पूरे भारत में भी जिनकी संख्या 200 थी और इसके सचिव 'जार्ज अरुण्डेल' थे।
- होमरूल लीग आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय जनमानस को स्वशासन के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना था।
- तिलक और बेसेंट के प्रयासों से 1916 में लखनऊ अधिवेशन में कांग्रेस के नरमदल एवं गरमदल के बीच समझौता हुआ।
- **1945 -1947 के बीच का भारत:**
- वैवेल योजना - जून 1945
- आजाद हिंद फौज एवं लाल किला मुकदमा –नवम्बर 1945
- शाही भारतीय नौसेना विद्रोह –फरवरी 1946
- कैबिनेट मिशन – मार्च 1946
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली की घोषणा –20 फरवरी 1947
- माउंटबेटन योजना –3 जून 1947
- **वैवेल योजना - (1945)** वायसराय वैवेल ने 1945 में एक राजनीतिक सुधार की योजना प्रस्तुत की जिसे वेवेल योजना के नाम से जाना जाता है।
- इस योजना के अनुसार वायसराय के कार्यकारिणी का पुर्नगठन किया जाना था। इस उद्देश्य से राजनीतिक नेताओं को जेल से रिहा किया गया और जून 1995 में शिमला में एक सम्मेलन बुलाया गया।
- वैवेल योजना के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधान रखे गए :
  - वायसराय एवं कमांडर-इन चीफ को छोड़कर वायसराय की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे और परिषद् में हिंदू मुसलमानों की संख्या बराबर रखी जाएगी।
  - वायसराय वीटो पावर के प्रयोग का प्रयास नहीं करेगा।
- इस योजना के संदर्भ में मुस्लिम लीग चाहती थी कि उसे ही भारत मुसलमानों का एक मात्र दल माना जाए वायसराय की कार्यकारिणी में मुस्लिम लीग के बाहर का कोई मुसलमान नहीं होना चाहिए।
- दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस सूची के लिए दो मुस्लिम सदस्यों -मौलाना आजाद एवं अब्दुल गफ्फार खाँ को नियुक्त किया जिसका जिन्ना ने विरोध किया। अतः वायसराय वैवेल ने जिन्ना की आपत्ति देखते हुए सम्मेलन को असफल घोषित कर समाप्त कर दिया।
- कांग्रेस ने जिन्ना के मन को इसलिए स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से कांग्रेस एक साम्प्रदायिक दल अर्थात् हिंदू दल के रूप में जाना जाता और भारत के मुसलमानों का एकमात्र दल मुस्लिम लीग को माना जाता । इससे मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की माँग और मजबूत हो जाती।

आजाद हिन्द फौज)भारतीय राष्ट्रीय सेना-INA) :- INA की स्थापना 1942 में मोहन सिंह ने की थी।

- जापानी मेजर फूजीवारा ने मोहन सिंह को इसके गठन का सुझाव दिया था ।
- मोहन सिंह ब्रिटिश सेना में एक भारतीय सैन्य अधिकारी थे
- 1 सितम्बर 1942 को मोहन सिंह के अधीन मलाया में INA का गठन हुआ।
- INA का दूसरा चरण उस समय आया जब सुभाष चन्द्र बोस 2 जुलाई 1943 में सिंगापुर पंहुचे और वहां से उन्होनें "दिल्ली चलो" का नारा दिया ।
- क्रांतिकारी नेता रास बिहारी बोस ने सुभाष चन्द्र बोस को सहयोग दिया।
- अतः सुभाष चन्द्रबोस ने 21 अक्तूबर 1943 आजाद हिंद फौज के नाम से एक अस्थायी सरकार का गठन किया।
- आजाद हिंद फौज का मुख्यालय सिंगापुर के साथ-साथ रंगून ,म्यांमार ,में भी बनाया गया ।
- बोस की सरकार ने Uk और USA के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी और गांधी, नेहरू एवं सुभाष नामक सैन्य टुकड़ी का गठन किया
- सुभाष चन्द्र बोस ने महिलाओं के लिए रानी झाँसी रेजिमेंट का गठन किया ।

लाल किला मुकदमा (नवम्बर 1945):

- आजाद हिंद फौज के बंदी सैनिकों पर ब्रिटिश सरकार द्वारा लाल किले में मुकदमा चलाया गया।
- इसी क्रम में कांग्रेस ने सैनिकों के बचाव हेतु एकआजाद हिंद फौज समिति का गठन किया।
- लाल किले मुकदमे में बचाव पक्ष का नेतृत्व 'भूलाभाई देसाई' कर रहे थे।
- नेहरू ने इस मुकदमे के दौरान 25 वर्ष पश्चात् काला कोट पहना ।
- लाल किले मुकदमे के संदर्भ में कैदियों को सभी राजनीतिक दलो जैसे -कांग्रेस, मुस्लिम लीग, कम्युनिस्ट पार्टी आदि का समर्थन प्राप्त था।
- आजाद हिंद सप्ताह) 11 नवम्बर) को आयोजन किया गया तथा 12 नवम्बर 1945 को आजाद हिंद दिवस मनाया गया।
- आजाद हिंद फौज के कैरन अब्दुल रशीद को 7 वर्ष की सजा दिए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुआ जिसका नेतृत्व मुस्लिम लीग के छात्रों ने किया। इसमें कांग्रेस एवं कम्युनिस्ट पार्टी के छात्र संगठन भी शामिल हुए।
  शाही भारतीय नौसेना विद्रोह 18 फरवरी 1946 को हुआ था।
- हड़ताली नाविकों ने केंद्रीय नौसेना हड़ताल समिति का गठन किया जिसके प्रमुख एम.एस.खान थे।
- विद्रोह का प्रसार बाम्बे, कोलाबा)महाराष्ट्र(, कराँची, कलकत्ता, जबलपुर दिल्ली, अम्बाला, जालंधर आदि स्थानों पर फैला ।

अध्याय – 3
भारत की नदियाँ एवं झीलें

- **नदियाँ**

भारतीय अपवाह तंत्र

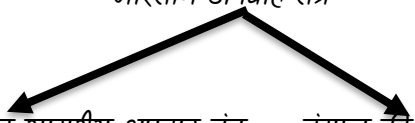

अरब सागरीय अपवाह तंत्र

बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र

अपवाह तंत्र किसी नदी एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को कहते हैं।

- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं। अपना जल अरब सागर में गिराती हैं।

हिमालयी अपवाह तंत्र

- उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले जाती हैं तथा मैदानी भागों में जल प्रवाह की गति मंद पड़ने पर मैदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं।
- इन्ही नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैदान का निर्माण हुआ है।
- इंड्रो ब्रह्म नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते है, कि मायोसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी। जिसे शिवालिक या इंड्रो - ब्रह्म नदी कहा गया है।
- इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -
- 1. पश्चिम में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ
- 2.मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ
- 3.पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

भारतीय नदी प्रणाली

1. सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु जल संधि 1960 में हुई थी।
- तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलज का नियंत्रण भारत के पास है। तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया है।

1. व्यास, रावी, सतलुज → 80% पानी भारत
   → 20% पानी पाकिस्तान

2.सिन्धु, झेलम, चिनाब → 80% पानी पाकिस्तान
   → 20% पानी भारत

सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km हैं।
- भारत में सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।
- सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2,880 किमी. है।
- भारत में सिन्धु नदी की लम्बाई केवल 1,114 km हैं।
- भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी है।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है, जो 4,164 मीटर उँचाई पर स्थित हैं। तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं।
- **सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।**
- अन्य सहायक नदियाँ – जास्कर, स्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, नुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल।
- सिन्धु नदी, कराची (पाकिस्तान) के निकट अरब सागर में जाकर गिरती है।
- यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं। जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं।
- पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया हैं।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं।
- तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांग्त्सी - क्यांग, नियांग, ह्वांगहो (पीली नदी, पीत), इरावदी, मेकांग एवं सतलज।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता हैं।
- यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती हैं। तथा कठोर चट्टानी भागो से होकर बहती हैं।
- यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं।

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं।
- यह तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर झील के निकट राक्षस ताल झील से निकलती हैं।
- वहाँ इसे लाँगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता हैं।
- सतलज नदी का संगम स्थल कपूरथला के द.- प. सिरे पर व्यास नदी में तथा मिठानकोट के निकट सिन्धु नदी में है।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंड्रो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकी ला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती हैं।

- सतलज नदी की सहायक नदियाँ हैं -सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और लास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं। यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती हैं तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड़ से निकलती है।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड़ का निर्माण करती है। यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ हैं।

रावी नदी (परूष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं, जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती हैं तथा चंबा घाटी से होकर बहती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है।

- **चिनाब नदी (अस्किनी)**
- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी हैं।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है, जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग गहरे महाखण्ड से गुजरती है।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है

<u>गंगा नदी तंत्र</u>

<u>गंगा नदी</u>

- गंगा नदी का उद्गम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती हैं।

स्थान	**नदी संगम**
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रूद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैंदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती हैं।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती हैं। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती हैं। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती हैं।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पदमा के नाम से जानी जाने लगती हैं।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती हैं।
- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं** -यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी -

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बदरपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है। जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है। प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल, सिंध, बेतवा, केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ है। इसके बाएँ तट पर हिंडन रिंद सेंगर वरुणा आदि नदियाँ मिलती है।
- चम्बल नदी मध्यप्रदेश के मालवा पठार में महू के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात् भूमि' (Badlond Topography) के लिए प्रसिद्ध है।
- **रामगंगा नदी**- उत्तराखण्ड में गैरसैन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलती है तथा कन्नौज उत्तरप्रदेश में गंगा से आकर मिल जाती है।

- ***स्वर्ण रेखा नदी*** – यह रांची (झारखण्ड) के दक्षिण पश्चिम से निकलती है तथा झारखंड, पश्चिम बंगाल व उड़ीसा में बहते हुए यह अपना जल बंगाल की खाड़ी मे गिराती है। जमशेदपुर नगर इसी नदी के किनारे बसा हुआ है।
- ***वैतरणी नदी***-यह उड़ीसा के क्योंझर जिले से गुप्तगंगा पहाड़ियों से निकलती है तथा बंगाल की खाड़ी में जल गिराती है।
- ***ब्राहमणी नदी*** -यह रांची के पास कोयल व शंख दो नदियों के निकलने के बाद राउरकेला में मिलने से ब्राह्मणी नदी कहलाती है।

कृष्णा नदी-

- यह प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी (1401 km) है।
- यह सह्याद्रि (महाराष्ट्र) में महाबलेश्वर चोटी से से निकलती है ।
- कर्नाटक, तेलगाना व आन्ध्र प्रदेश में बहते हुए बंगाल की खाड़ी मे गिरती है यह भी डेल्टा का निर्माण करती है (विजयवाड़ा के निकट)
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है कोयना, पचगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा, दूधगंगा, मूसीभीमा व तुगभद्रा (तुंगा + भद्रा)

पेन्नार नदी - यह कर्नाटक के नंदी दुर्ग पहाड़ी से निकलती है तथा आंध्र प्रदेश में बहते हुए बंगाल की खाडी में गिरती है।

कावेरी नदी – यह कर्नाटक राज्य के कोडागु जिलें की ब्रह्मगिरी की पहाड़ियों से निकलती है ।

- तमिलनाडु में बहते हुए बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है यह डेल्टा का निर्माण करती है ।
- इस नदी की कुल लम्बाई 800 किमी. है
- इस नदी की द्रोणी का 3% भाग केरल में 41% कर्नाटक में व 56% भाग तमिलनाडु में पड़ता है।
- इसके ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में (कर्नाटक) दक्षिण - पश्चिम मानसून (गर्मी) से व निम्न क्षेत्रों में (तमिलनाडु) उत्तर पूर्वी मानसून (सर्दी) से वर्षा प्राप्त होती है। कावेरी नदी को "दक्षिण भारत की गंगा" के नाम से भी जाना जाता है।

प्रमुख सहायक नदियाँ हैं - सुवर्णावती, भवानी, अमरावती, कबीनी (दाहिने तट पर) हेरगी, हेमावती, अक्रावती (बांये तट पर)

वैगाई नदी- यह तमिलनाडु के वरशानद पहाड़ी से निकलती तथा मदुरई शहर से बहते और पाक की खाड़ी में गिरती है।

ताम्रपाणी नदी - यह पालनी की पहाड़ियों से (अन्नामलाई पहाड़ियों का क्रमिक विस्तार) से निकलती है तथा अपना जल मन्नार की खाड़ी में गिराती है।

अरब सागर में गिराने वाली नदियाँ

शेतरुनीजी नदी - गुजरात के अमरावली जिले में डलकाहवा से निकलती है तथा अपना जल खम्भात की खाड़ी में गिराती है।

नर्मदा नदी –

- यह मध्य प्रदेश के मैकाल पर्वत पर स्थित अमरकंटक चोटी से निकलती है ।
- दक्षिण में सतपुड़ा व उत्तर मे विंध्याचल जोगीयों के मध्य यह भ्रंश घाटी में बहती हुई जबलपुर में भेडा घाट की संगमरमर की चट्टानों में धुंआधार जल प्रपात बनाती है
- अंत में यह भड़ौंच के दक्षिण में अरब सागर में गिरती है तथा ज्वारनदमुख का निर्माण करती है।
- यह अरब सागर में जल गिराने वाली नदियों में सबसे लम्बी (1312 किलोमीटर) नदी है
- यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात व महाराष्ट्र में प्रवाहित होती है।
- सरदार सरोवर परियोजना इसी नदी पर है ।

ताप्ती (तापी) नदी –

- इसकी उत्पत्ति मध्यप्रदेश के महादेव पहाड़ी के पास बेतुल जिलें के मुलताई से निकलती है ।
- सतपुडा श्रेणी व अजंता श्रेणियों के बीच भ्रंश घाटी में बहते हुए सूरत शहर के आगे खम्भात की खाड़ी में अपना जल गिराती है। इसकी द्रोणी मध्यप्रदेश, गुजरात , महाराष्ट्र है।

लूनी नदी -लूनी नदी अजमेर के दक्षिण-पश्चिम में नाग पहाड़ी (अरावली श्रेणी) से निकलती है तथा कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी राजस्थान का सबसे बड़ा नदी तंत्र है।

- ***साबरमती नदी*** -यह उदयपुर जिले (राजस्थान) के पास अरावली श्रेणी से निकलती है तथा खम्भात की खाड़ी मे अपना जल गिराती है। गांधीनगर व अहमदाबाद इस नदी के तट पर स्थित है।
- ***माही नदी*** - इसका उद्गम मध्य प्रदेश में विंध्य श्रेणी के पश्चिम से हुआ है। यह तीन राज्यों में मध्यप्रदेश, राजस्थान व गुजरात में प्रवाहित होते हुए अपना जल खम्भात की खाड़ी में गिराती है। यह कर्क रेखा को दो बार काटती है।
- ***भादर नदी*** -गुजरात के राजकोट जिले से निकलती है तथा अपना जल अरब सागर में गिराती है।
- ***वैतरणा नदी*** -यह नासिक जिले (महाराष्ट्र) की त्रिंबक की पहाडियों से निकलती है तथा अपना जल अरब सागर में गिराती है।
- ***माण्डवी तथा जुआरी*** -यह गोवा की दो प्रमुख नदियाँ हैं जो अपना जल अरब सागर में गिराती है।
- ***कालिंदी या काली नदी*** -यह कर्नाटक के बेलगाँव जिले से निकलती है तथा अपना जल करवाड़ की खाड़ी में गिराती हैं ।
- ***शरावती नदी*** –यह कर्नाटक के शिमोगा जिले से निकलती है। तथा भारत का सबसे ऊँचा गरसोप्पा (जोग) जल प्रपात इसी नदी पर है ।
- ***पेरियार नदी*** – यह केरल की सबसे लम्बी नदी है। यह अन्नामलाई की पहाड़ियों से निकलती है तथा वैम्बानाद के उत्तर में अपना जल अरब सागर में गिराती है।

अध्याय – 8
मॉलिक अधिकार

मॉलिक अधिकार (भाग -3)(art 12-35)

- समानता का अधिकार (Art- 14-18)
- स्वतंत्रता का अधिकार (Art 19-22)
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (Art 23-24)
- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Art 25-28)
- सांस्कृतिक व शिक्षा का अधिकार (Art 29-30)
- संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Art 32)
- अनुच्छेद 20 व 21 को छोड़कर बाकी अधिकार आपात काल में स्थापित हो जाते हैं।
- मॉलिक अधिकारों की अवधारणा को U.S.A (अमेरिका) से अपनाया गया है।

समता का अधिकार :- (अनु. 14-18)

➢ **विधि के समक्ष समता (art -14)-**
विधी के समक्ष समता की अवधारणा ब्रिटेन से प्रभावित हैं । इसका अर्थ है कि सभी व्यक्तियों के लिए एकसमान कानून होगा तथा उन पर एकसमान लागु होगा ।

➢ **धर्म ,नस्ल ,जाति ,लिंग या जन्म-स्थान के आधार पर भेदभाव का प्रतिषेद(art -15)-**
राज्य किसी नागरिक के साथ केवल धर्म, मूल, वेश, जाति, लिंग या जन्म स्थान को लेकर विभेद नही करेगा । यह व्यवस्था राज्य और व्यक्ति दोनों पर समान रूप से लागू होती हैं ।

➢ **लोक नियोजन के सम्बन्ध में अवसर की समता (अनु०- 16)-** राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता होगी।

➢ **अस्प्रश्यता का उन्मूलन (अनु.-17)-**
संविधान के अनु० 17 में यह प्रावधान है कि अस्पृश्यता को समाप्त किया जाता है और किसी भी रूप में अस्पृश्यता को बढ़ावा देना दण्डनीय अपराध होगा।

➢ **उपाधियों का अंत (अनु. 18)-** राज्य सेवा या विधा संबंधी सम्मान के सिवाय अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जायेगी ।

➢ भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है ।

स्वतन्त्रता का अधिकार(अनु० 19-22) :-

➢ **वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता(अनु. 19):-** मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था । अब सिर्फ छह है ।

1.	अनु.19 (a)	बोलने की स्वतंत्रता /प्रेस की स्वतंत्रता
2.	अनु.19 (b)	शांतिपूर्वक बिना हथियारों के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता
3.	अनु.19 (c)	संघ बनाने की स्वतंत्रता
4.	अनु.19 (d)	देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता
5.	अनु.19 (e)	देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने और बसने की स्वतंत्रता
6.	अनु.19 (g)	कोई भी व्यापार एवं जीविका चलाने की स्वतंत्रता

➢ अनु.19 (f) सम्पति का अधिकार ,44 वाँ संविधान संशोधन 1978 के द्वारा हटा दिया गया।

अपराधो के सम्बन्ध में अथवा दोष सिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण (अनु. -20):-

इसमें प्रावधान हैं कि –

➢ किसी व्यक्ति को तब तक किसी अपराध के सम्बन्ध में दोषी नही ठहराया जायेगा जब तक उसने किसी प्रचलित विधि का उल्लंघन नही किया हो ।

➢ किसी व्यक्ति को वही दण्ड दिया जायेगा जो अपराध करते समय लागू। अर्थात बाद में बनाई गई विधी के अनुसार व्यक्ति को दण्डित नही किया जायेगा । लेकिन ये केवल आपराधिक मामलों पर ही लागू होता है। सिविल मामलो के संबंध में अपराध के बाद बनाई गई विधि के अनुसार व्यक्ति को दण्डित किया जा सकता।

➢ (कर चोरी, दिवालिया होना या किसी प्रकार के दिवानी से सम्बंधित प्रावधान)

➢ किसी व्यक्ति को एक अपराध के लिए एक बार ही दण्डित किया जायेगा।

➢ किसी अपराध के लिए किसी व्यक्ति की स्वयं के विरुद्ध साक्षी होने के बाध्य नही किया जाएगा।

प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का सरंक्षण (अनु० 21):-

- इसमे प्रावधान है कि किसी व्यक्ति को उसके प्राण एवं देहिक स्वतंत्रता से विधी के द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा।
- सर्वोच्च न्यायालय में अनु. 21 को समय-समय पर अधिक से अधिक प्रसारित किया। वर्तमान समय में इसमें निम्नलिखित अधिकार शामिल हो चुके है –

1. निजता का अधिकार।
2. स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार।
3. मानवीय प्रतिष्ठा के साथ जीने का अधिकार।
4. दुर्घटना के समय प्राथमिक उपचार का अधिकार।

5. निः शुल्क कानूनी सहायता का अधिकार ।
6. हथकड़ी लगाने के विरुद्ध अधिकार ।
7. सूचना का अधिकार ।
8. कारावास में अकेले बंद करने के विरुद्ध अधिकार।
9. देरी से फांसी के विरुद्ध अधिकार ।
10. फ़ोन टेपिंग के विरुद्ध अधिकार ।
11. विदेश यात्रा की अधिकार
12. नींद का अधिकार

शिक्षा का अधिकार :- (अनु.21-क)

86 वें संविधान संशोधन अधि. - 2002 के माध्यम से इसे संविधान में जोड़ा गया। इसमें प्रावधान है कि राज्य 6-14 आयु वर्ग के बालक को निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध करवाएगा।
इसके संबंध राज्य विधि बनाकर शिक्षा की व्यवस्था करेगा । इसी प्रावधान के तहत निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 पारित किया गया । जिसे 1 अप्रैल 2010 को लागू किया गया।

अनु० 22 :- निरोध एवं गिरफ्तारी से संरक्षण :-

इसके तहत व्यक्ति को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होते हैं -

- गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी का कारण बताना होगा ।
- गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को यह अधिकार है कि वह अपनी पसंद के वकील से परामर्श ले सकता है।
- गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर न्यायिक अधिकारी (मजिस्ट्रेट) के सामने प्रस्तुत करना होगा। इन 24 घंटो में यात्रा का समय शामिल नही होगा। लेकिन यदि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी निवारक निरोध के तहत की जाती है तो उपर्युक्त अधिकार प्राप्त नहीं है। निवारक निरोध के तहत गिरफ्तार व्यक्ति तीन माह तक मजिस्ट्रेट सामने प्रस्तुत की आवश्यकता नहीं है।
- अनु.22 से सम्बंधित अधिकार किसी विदेशी को भी प्राप्त नही होते ।

मानव व्यापार एवं बलात् श्रम पर प्रतिबन्ध (अनु. 23)

मानव दुर्व्यव्यापार से आशय है। महिला पुरुष बच्चो की वस्तुओं के समान खरीद अथवा बिक्री करना।

- इसमें देह व्यापार के लिए क्रय विक्रय अथवा शरीर के अंगो के क्रय विक्रय आदि को भी शामिल किया जाता है ।
- इसी प्रकार किसी व्यक्ति से बलात् श्रम नही करवाया जा सकता । बलात् श्रम से आशय है, व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उससे कार्य करवाना।

बाल श्रम का प्रतिषेध (अनु. 24)

- 14 से 18 वर्ष की आयु के किसी बालक को कारखानों या अन्य किसी जोखिम वाले कार्य में नियोजित नहीं किया जा सकता।

- **धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनु. 25-28):-**
- अंतः करण की और धर्म को मानने ,आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता (अनु. 25)
- अनु. 25 में यह भी प्रावधान है कि कृपाण धारण करना और लेकर चलना सिख धर्म का मुख्य अंग माना जाएगा।

धार्मिक कार्यो के प्रबंध की स्वतंत्रता(अनु० 26):-

व्यक्ति को अपने धर्म के लिए संस्थाओ की स्थापना व पोषण करने, विधि -सम्मत सम्पति के अर्जन, स्वामित्व व प्रशासन का अधिकार है ।

- अनु. 25 जहाँ व्यक्तिगत अधिकार से सम्बंधित है। जबकि अनु. 26 समूह से सम्बंधित है ।

अनु. 27 - धर्म से सम्बंधित अथवा किसी धर्म विशेष की अभिवृद्धि के सम्बन्ध में करो के संदाय अथवा करो के देने की स्वतंत्रता

- इसमें प्रावधान है कि किसी भी व्यक्ति को किसी धर्म विशेष की अभिवृद्धि के उद्देश्य से कर देने के लिए बाध्य नही किया जा सकता ।
- सर्वोच्च न्यायालय ने इसके सम्बन्ध में निर्णय दिया है कि राज्य कर की राशि को किसी एक धर्म या सम्प्रदाय की अभिवृद्धि के लिए खर्च नही कर सकता।

अनु० 28 :- शिक्षण संस्थाओ में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता:

निम्नलिखित प्रकार के शैक्षणिक संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा के सम्बन्ध में प्रावधान है कि-
अनु. 28 के अनुसार राजकीय निधि से संचालित किसी भी शिक्षण संस्था में किसी प्रकार की धार्मिक शिक्षा प्रदान नहीं की जाएगी। इसके साथ ही राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त या आर्थिक सहायता प्राप्त शिक्षण संस्था में किसी व्यक्ति को किसी धर्म विशेष की शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाध्य नही किया जा सकेगा ।

(5) संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार (अनु. 29 व 30):-

अनु. 29 में यह प्रावधान कि भारत के किसी क्षेत्र के किसी निवासी नागरिकों अथवा इसके किसी भाग की जिसकी अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति है। तो उसे बनाए रखने का अधिकार होगा।
अनु. 29 धार्मिक अल्पसंख्यकों से सम्बंधित नहीं है। यह भाषा लिपि अथवा संस्कृति के आधार पर अल्पसंख्यकों की बात करता है । यह व्यवहारिक रूप में सभी धर्मो एवं सभी नागरिकों पर लागु होता है ।

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

जनवरी	तिथि
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	शहीद दिवस
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**तिथि**
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	1 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मानव भ्रातृत्व दिवस	4 फरवरी
International day of Zero tolerance for female genital mutilation	6 फरवरी
International Epilepsy Day	8 फरवरी
सुरक्षित इंटरनेट दिवस	9 फरवरी
विश्व दाल दिवस	10 फरवरी
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	10 फरवरी
विज्ञान में बालिकाओं तथा महिलाओं का दिवस	11 फरवरी
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस	12 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस	15 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
विश्व पैंगोलिन दिवस	20 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
World thinking day	22 फरवरी
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस	24 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
विश्व एनजीओ दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
दुर्लभ रोग दिवस	28 फरवरी
मार्च	**तिथि**
विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस	1 मार्च
कर्मचारी प्रशंसा दिवस	2 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
जनऔषधि दिवस	7 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च

मन्दरा	एस एल भयरप्पा	2010

- **भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा**

सबसे ऊँचा टी० वी० टॉवर	पीतमपुरा (नई दिल्ली)
सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
सबसे लम्बी नदी (भारत में बहने के अनुसार)	गंगा नदी
सबसे लम्बी यात्रा वाली ट्रेन (विद्युत)	राजधानी एक्सप्रेस दिल्ली से कोलकाता
सबसे लम्बी नहर	इंदिरा गाँधी नहर राजस्थान
"सबसे ऊँचा पर्वत शिखर -	गोडविन आस्टिन K-2
सबसे ऊँचा झरना	कुंचीकल (५५५ मी), कर्नाटक
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा, फतेहपुर सीकरी (आगरा)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार, दिल्ली
सबसे ऊँचा बाँध	भाखड़ा बाँध (सतलज नदी पर)
सबसे ऊँची मूर्ति	देवताल झील (गढ़वाल)
पर ऊँची झील	ऋषभ देव की मूर्ति (खरगोन, मध्य प्रदेश)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी
सबसे लम्बा पुल	बांद्रा-वर्ली सी-लिंक (5,600)मी. मुम्बई महाराष्ट्र
सबसे लम्बी सुरंग	अटल सुरंग (जम्मू-कश्मीर)
सबसे लम्बी सड़क	ग्रांड ट्रंक रोड़ (g.t. रोड़)
सबसे बड़ा चिड़ियाघर	जूलोजिकल गार्डन्स, कोलकाता
सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवन डेल्टा
सबसे बड़ा गुम्बद	गोल गुम्बद, बीजापुर (कर्नाटक)

सबसे बड़ी मस्जिद	जामा मस्जिद, दिल्ली वेम्बानाद
सबसे बड़ा रेलवे पुल	(4.62 किमी), केरल
सबसे बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज, कोलकाता
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द सागर, भाखड़ा
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार (राजस्थान)
सबसे लम्बी नदी दक्षिण भारत की	गोदावरी नदी
सबसे लम्बा बाँध	हीराकुड बाँध (ओड़िशा)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य (दक्षिण भारत)	आंध्र प्रदेश
सबसे लम्बा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल के अनुसार)	राजस्थान
सबसे बड़ा राज्य (जनसंख्या के अनुसार)	उत्तर प्रदेश
सबसे बड़ा अजायबघर	कोलकाता अजायबघर
सबसे बड़ा गुफा मंदिर	कैलाश मंदिर, एलोरा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)
सबसे बड़ा कोरीडोर	रामेश्वरम् मंदिर (तमिलनाडु)
सबसे बड़ा गुरुद्वारा	स्वर्ण मंदिर, अमृतसर स्वर्ण मंदिर, अमृतसर
सबसे बड़ा गिरिजाघर	स्वर्ण मंदिर, अमृतसर
सबसे बड़ी नदी (डेल्टा न बनाने वाली)	नर्मदा व ताप्ती
सबसे बड़ा नदी द्वीप	मानुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असोम)
सबसे बड़ा तारामंडल	बिड़ला प्लैनेटोरियम (कोलकाता)
सबसे अधिक जनसंख्या वाला नगर	मुम्बई
सबसे अधिक घनी आबादी वाला राज्य	पश्चिम बंगाल
सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान -	मॉसिनराम (मेघालय)
सबसे सबसे बड़ा पशुमेला -	सोनपुर मेला (बिहार)
सबसे बड़ा स्टेडियम -	युवा भारती (साल्ट लेक), कोलकाता
सबसे बड़ा कृत्रिम बंदरगाह -	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सबसे बड़ी झील (खारे पानी की) -	चिल्का झील (ओड़िशा)

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी

- यह ट्रॉफी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है।
- प्रथम पुरस्कार विजेता को ट्रॉफी के साथ ₹ 10 लाख दिए जाते हैं। द्वितीय पुरस्कार ₹ 1 लाख तथा तृतीय पुरस्कार ₹ 50 हजार का है।

ध्यानचन्द पुरस्कार

- इस पुरस्कार से खेल और क्रीड़ा में अपने जीवनकाल के दौरान उपलब्धि प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता है।
- ये उन खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जो उत्कृष्ट खिलाड़ी रहे हैं तथा खेल से निवृत्ति के पश्चात् भी उसके विकास कार्यों में लगे हुए हैं।
- इस पुरस्कार का नाम हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के नाम पर रखा गया है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष खेल मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत् ₹5 लाख नकद, एक पट्टिका तथा एक प्रशस्ति -पत्र प्रदान किया जाता है।

भारत के राज्यों के राजकीय पशु-पक्षियों की सूची-

राज्य	पशु	पक्षी
आंध्र प्रदेश	काला हिरन	तोता
अरूणाचल प्रदेश	मिथुन या गयाल	हार्नबिल
असम	भारतीय गैण्डा	सफेद पंखों वाला बत्तख
बिहार	गौर या भारतीय बाइसन	घरेलू गौरैया
छत्तीसगढ़	जंगली भैंसा	पहाड़ी मैना
गोवा	गौर या भारतीय बाइसन	बुलबुल
गुजरात	एशियाई सिंह	राजहंस
हरियाणा	काला हिरन	काला तीतर
हिमाचल प्रदेश	हिम तेन्दुआ	जेवर
झारखण्ड	भारतीय हाथी	काली गर्दन वाला सारस
कर्नाटक	भारतीय हाथी	नीलकंठ
केरल	भारतीय हाथी	हॉर्नबिल
मध्य प्रदेश	बारहसिंगा	दूधराज
महाराष्ट्र	भारतीय विशाल गिलहरी	हरियाल
मणिपुर	संगै	धारीदार पूँछ वाला तीतर
मेघालय	धूमिल तेंदुआ	पहाड़ी मैना
मिजोरम	हिमालयन सीरो	धारीदार पूँछ वाला तीतर
नागालैण्ड	मिथुन या गयाल	ब्लाइद ट्रैगोपॅन
ओडिशा	साम्भर हिरण	नीलकंठ
पंजाब	काला हिरन	उत्तरी बाज
राजस्थान	ऊँट और चिंकारा	गोडावण
सिक्किम	लाल पांडा	चिल्मिआ
तमिलनाडु	नीलगिरि तहर	पन्ना कबूतर
तेलंगाना	चीतल	नीलकंठ
त्रिपुरा	फयरे का लंगूर	शाही कबूतर
उत्तराखंड	अल्पाइन कस्तूरी मृग	हिमालयी मोनाल
उत्तर प्रदेश	बारहसिंघा	सारस क्रेन
पश्चिम बंगाल	मछली पकड़ने वाली बिल्ली	श्वेतकण्ठ कौड़िल्ला
अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	डूगोंग	अंडमानी कबूतर
चण्डीगढ़	नेवला	ग्रे हॉर्नबिल
दादरा तथा नगर हवेली	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
दमन एवं दीव	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
दिल्ली	नीलगाय	घरेलू गौरैया
जम्मू एवं कश्मीर	कश्मीरी हंगुल	अभी तक नामित नहीं किया गया है
लद्दाख	घरेलू याक	काली गर्दन वाला सारस
लक्षद्वीप	आवारा तितली	सूती टर्न
पुडुचेरी	गिलहरी	एशियाई कोयल

भारत के राज्यों के राजकीय वृक्ष और फूलों की सूची-

राज्य	वृक्ष	फूल
आंध्र प्रदेश	नीम	चमेली
अरूणाचल प्रदेश	हॉलोंग	लेडी स्लिपर ऑर्किड
असम	हॉलोंग	द्रौपदी माला
बिहार	पीपल	कचनार
छत्तीसगढ़	शाल या साखू	लेडी स्लिपर ऑर्किड
गोवा	नारियल	लाल चमेली
गुजरात	बरगद	गेंदे का फूल
हरियाणा	पीपल	कमल
हिमाचल प्रदेश	देवदार	बुरांस
झारखण्ड	शाल या साखू	पलाश
कर्नाटक	चन्दन	कमल

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Dear Aspirants, here are the our results in differents exams (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2025 - https://shorturl.at/Td2tN (87 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKj14nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2g22fJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)

whatsapp - https://wa.link/bdirzx 1 web.- https://shorturl.at/xceN2

FREE SAMPLE

RAS Pre. 2025	02 फरबरी 2025	87 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

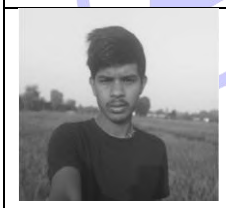

Approx. 596 + students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
	Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
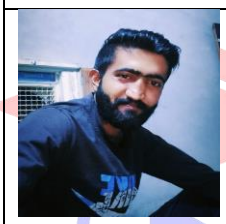	**Govinda Jangir**	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379	Jind (Haryana)

And many others……

Click on the below link to purchase notes

WhatsApp करें - https://wa.link/bdirzx

Online Order करें - https://shorturl.at/xceN2

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE